सांध्य दैनिक 4PM

सच्चा ज्ञान यह है कि आप जानते हैं कि आप कुछ नहीं जानते। -सुकरात

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्षः 11 • अंकः 84 पृष्ठः 8 • लखनऊ, सोमवार, 28 अप्रैल, 2025

दिल्ली-पंजाब और लखनऊ के बीच... 7 | सीएम बरसाएंगी बंगाल पर... 3 | भाजपा अपनी विफलता... 2

सुमन पर हमला...ओबीसी राजनीति में बवाल

लोकतांत्रिक तालिबानीकरण

- रामजी लाल सुमन पर दूसरा अटैक बाल-बाल बचे
- हाथरस, कासगंज, उन्नाव लखीमपुर खीरी जैसे मामलों की एक कड़ी जोड़ता है
- करणी सेना ने कहा कि अखिलेश-सुमन को जब तक तोड़ेंगे नहीं तबतक छोड़ेंगे नहीं
- सुमन पर हमले के बाद दलितों में उबाल
- ओबीसी/दलितों का तेजी से हो रहा है सपा की ओर ध्रुवीकरण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारत तालिबान जैसा नहीं है लेकिन तालिबानीकरण की तरफ कदम बढ़ा दिये हैं। यहां विचारधारा की तानाशाही की आहट साफ सुनाई देने लगी है। करणी सेना ने सपा सांसद रामजी लाल सुमन पर दूसरा अटैक किया है। सुमन की गाड़ी पर टायर फेंक कर एक्सीडेंट के जरिये उन्हें जान से मारने की कोशिश की गयी। बता दें कि सुमन बुलंदशहर के कोतवाली देहात क्षेत्र के गांव सुनेहरा में थार गाड़ी से कुचलकर हुई दलित महिला की मौत और तीन लोगों के घायल होने की घटना के बाद पीड़ित परिवार से मिलने जा रहे थे।

वहीं पुलिस ने सपा कार्यकर्ताओं पर सरकारी कार्य में बांधा डालने की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर दिया। दोनों ही घटनाओं से सपा में रोष है और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सीएम योगी पर करणी सेना के लोगों को सरक्षंण देने की बात कही है। करणी सेना के नेता ओकेंद्र राणा ने हमले की जिम्मेदारी ली है और कहा है कि जब तक अखिलेश यादव और रामजी लाल सुमन को तोड़ेंगे नहीं तबतक छोड़ेंगे नहीं।

निर्णायक मोड़ में पीडीए की लड़ाई

जिस पीडीए नारे ने सपा को 35 सांसद दिये और देश की तीसरे सबसे बड़े राजनीतिक दल की हैसियत तक पहुचा दिया। वही पीडीए नारा यूपी से निकल कर पूरे देश में फैल रहा है। सुमन पर हमले से भले ही बीजेपी को तत्कालिक राजनीतिक फायदा हासिल हो जाए लेकिन दूरगामी परिणाम सपा के हित में ही रहेंगे। राजनीतिक विशलेषक डीके त्रिपाठी कहते हैं रामजी लाल सुमन पर हमला एक अकेली घटना नहीं है, बल्कि एक प्रवृति का हिस्सा है। उत्तर प्रदेश इस प्रवृति का एपिसेंटर बन गया है और यदि समय रहते राजनीतिक दल, न्यायपालिका, और समाज इसका प्रतिरोध नहीं करता है तो भारत का लोकतंत्र एक खोखले ढांचे में बदल सकता है।

अखिलेश यादव ने खायी कसम

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा है कि पूरे देश में सबसे ज्यादा असुरक्षित वातावरण उत्तर प्रदेश में है। उन्होंने कहा कि जो भ्रष्टाचारी लोग हैं वे पाताल लोक नहीं जा रहे मुख्यमंत्री आवास जा रहे हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि हम लोग पीडीए पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक संकल्प के माध्यम से सामाजिक न्याय की स्थापना का संकल्प दोहराने की कसम खाते हैं। सपा ने इस घटना के बाद सीधे तौर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर आरोप लगाए हैं कि सत्ता के संरक्षण में हिंसा को बढ़ावा मिल रहा है। इस पूरे प्रकरण से साफ है कि बीजेपी ने राजनीति का तालिबानीकरण कर दिया है। जिस प्रकार से सुमन पर हमला किया गया है वह निंदनीय हैं। सपा पहले भी प्रशासन और सरकार से सुमन की सुरक्षा को बड़ाने के लिए कहा है।

करणी सेना के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने रामजी लाल सुमन के काफिले पर गोभाना टोल प्लाजा के पास कल हमला कर दिया था। काफिले में शामिल गाड़ियों पर टायर और पत्थर फेंके गए। जिसमें काफिले में चल रही गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं।

मायावती और रावण खामोश

राजनीतिक विशेलषक डीके त्रिपाठी कहते हैं कि ओबीसी और दलित समाज के कई महत्वपूर्ण नेताओं का ताल्लुक यूपी से हैं। मायावती खुद मुख्यमंत्री बनीं लेकिन इस घटना पर न तो बसपा की ओर से कोई निंदा की गयी और न ही ताजा-ताजा आवाज बने चन्द्रशेखर रावण ने कोई प्रतिक्रिया दी। साफ है कि सुमन का कद बढ़ेगा तो इन नेताओं का कद घटेगा। दलित समाज/ओबीसी समाज ने जिस प्रकर लोकसभा में सपा के पक्ष में वोट दिया उससे भविष्य की तस्वीर साफ है। बीजेपी ओबीसी समाज का सपा की ओर तेजी से होते ध्रुवीकरण से भयभीत नजर आ रही है। उनके मुताबिक यदि ऐसा होता है तो यूपी में राजनीतिक तस्वीर दूसरी होने वाली है।

भविष्य की राजनीति का आईना

उत्तर प्रदेश हमेशा से राष्ट्रीय राजनीति का मिजाज तय करता रहा है। रामजी लाल सुमन पर हमला, हाथरस, कासगंज, उन्नाव, लखीमपुर खीरी जैसे मामलों की एक बानगी भर है। हमले के बाद यह स्पष्ट है कि यूपी में असहमति को कुचलने की प्रवृति बढ़ रही है। जाति आधारित ध्रुवीकरण फिर से प्रमुख रणनीति बन गई है। और संगठनों के जरिये परोक्ष हिंसा एक नये ट्रेंड का उदय हो रहा है। यदि यूपी में हिंसा का यह पैटर्न मजबूत होता है तो इसका असर पूरे देश पर पड़ना तय है।

भारत का लोकतंत्र: आज की वास्तविक तस्वीर

क्षेत्र	स्थिति
अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता	गिरती रैंकिंग (RSF रिपोर्ट: 161वां स्थान)
मानवाधिकार	गिरावट, अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा के मामले
प्रेस की आजादी	पत्रकारों पर हमले, वेबसाइट्स ब्लॉकिंग
विपक्ष की भूमिका	सीमित, बार-बार ED, CBI, IT के छापे
न्यायपालिका	स्वतंत्रता पर संदेह के बादल

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तुलनात्मक अध्ययन: तालिबानीकरण क्या है?

पहलू	अफगानिस्तान (तालिबानी शासन)	भारत (आधुनिक लोकतंत्र)
शासन व्यवस्था	धार्मिक कट्टरपंथी तानाशाही	संवैधानिक लोकतंत्र
अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता	पूर्ण निषेध	संवैधानिक गारंटी, लेकिन व्यवहार में दबाव
असहमति पर प्रतिक्रिया	हत्या, सार्वजनिक सजा	गिरफ्तारी, हिंसक हमले, ट्रोलिंग
महिलाओं की स्थिति	शिक्षा और स्वतंत्रता पर रोक	संवैधानिक अधिकार, लेकिन बढ़ते हमले
अल्पसंख्यकों का हाल	दमन, जबरन धर्मांतरण	हिंसा की घटनाएं बढ़ीं, संरक्षित नहीं महसूस कर रहे
सत्ता का [illegible]	धर्म आधारित शासन	लोकतंत्र, लेकिन धार्मिक ध्रुवीकरण बढ़ रहा

भाजपा अपनी विफलता छिपाने के लिए दूसरों को बदनाम कर रही : अखिलेश यादव

बोले सपा प्रमुख- आतंकी घटना के मृतक आश्रितों को 10-10 करोड़ और नौकरी दे सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भाजपा अपनी विफलता छिपाने के लिए दूसरों को बदनाम कर रही है। इस सरकार में भ्रष्टाचार, महंगाई और बेरोजगारी चरम पर है। किसी को न्याय नहीं मिल रहा है। सपा प्रमुख ने कहा कि सरकार पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए लोगों के परिवारों को दस-दस करोड़ रुपये देकर मदद करे और परिवार के लोगों को सरकारी नौकरी दे।

अखिलेश ने कहा कि देश जानना चाहता है कि आतंकी पहलगाम पहुंचे कैसे? इस देश का बच्चा-बच्चा जान गया है कि सरकार की विफलता से जम्मू-कश्मीर में इतनी बड़ी घटना हुई है। सरकार ने पर्यटकों की सुरक्षा के इंतजाम नहीं किए थे। घटना के बाद घायलों को समय से मदद नहीं मिली। अब तो जनता पहलगाम के साथ पुलवामा की भी चर्चा कर रही है।

भ्रष्टाचार का भार नहीं सह पाई पानी की टंकी

अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार ने संस्थाओं को कमजोर किया है। संस्थाओं में बैठे भ्रष्ट अधिकारियों पर दबाव बनाकर भाजपा के लोग अन्याय करा रहे हैं। भाजपा सरकार ने यूपी में दूसरे राज्यों के अधिकारी लगाए हुए हैं। ये सब प्रदेश में भ्रष्टाचार कर यहां का पैसा ले जाकर अपने राज्यों में निवेश कर रहे हैं। पिछले दिनों पता चला था कि उत्तराखंड में कई सौ करो? रुपया पक?ा गया था। एक अधिकारी ने 40 से ज्यादा प्लैट खरीदे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में इतना भ्रष्टाचार है कि लखीमपुर खीरी में पानी की टंकी भ्रष्टाचार का भार नहीं सह पाई और फट गई। सीएम को इस भ्रष्टाचार की जानकारी ही नहीं दी गई।

बुलंदशहर में सपा कार्यकर्ताओं पर मुकदमा

पुलिस ने 15-20 सपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। एसएसपी दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि गभाना टोल पर सपा के राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन को गांव सुनेहरा न जाने के लिए कहा गया था। उन्हें अवगत कराया गया था कि उनके जाने से माहौल बिगड़ सकता है। इसके बावजूद उनके साथ मौजूद सपा के कुछ लोगों ने पुलिसकर्मियों से धक्का-मुक्की की। बाद में सपा सांसद लौट गए, लेकिन अन्य लोग सुनहरा चले गए। इस संबंध में अरनिया थाने पर पुलिस से अभद्रता, धक्का-मुक्की करने और सरकारी कार्य में बाधा पहुंचने वाले करीब 15 से 20 सपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

सपा सांसद पर हमले की निंदा

आगरा से बुलंदशहर जाते समय सपा के राज्यसभा सदस्य रामजीलाल सुमन के काफिले की गाड़ियां करणी सेना के कार्यकर्ताओं की भीड़ को देख खेरेश्वर चौराहे पर आपस में टकरा गईं। सुमन पर हुए हमले की सपा समेत कई दलों ने निंदा की है। बता दे दरअसल जब नारेबाजी हुई तो चालक हड़बड़ा गए और गाड़ियां आपस में टकरा गईं। इसमें 12 कार्यकर्ता घायल हुए हैं। जिनका आसपास के अस्पतालों में उपचार कराया गया। हाथरस जनपद में चंदपा क्षेत्र के गांव कुंवरपुर के ग्राम प्रधान डॉ. विजयपाल सिंह के अनुसार जब सांसद आगरा से चले थे तो उनके साथ काफी लोग अपनी-अपनी गाड़ियां साथ लेकर चले थे। हाथरस से काफिले में और गाड़ियां शामिल हुई थीं। जब काफिला अलीगढ़ में खेरेश्वर चौराहे पर पहुंचा तो दोपहर में यहां जाम भी था। सांसद की गाड़ी व कुछ सुरक्षा कर्मियों की गाड़ियां तो आगे निकल गई जबकि कुछ वाहन पीछे रह गए थे। इसी बीच करणी सेना के कार्यकर्ताओं पर हमारी नजर पड़ी। जिन्हें देखकर अचानक चालक हड़बड़ा गए। लगा कि कहीं कोई आगे न आ जाए। इसी हड़बड़ी में काफिले में शामिल पांच गाड़ियां आपस में टकरा गईं। इस दुर्घटना में ब्रज मोहन राही, एडवोकेट लल्लन बाबू, वीरपाल सिंह, सत्यपाल सिंह, सुरेश, नेत्रपाल, पूरनचंद समेत करीब 12 लोग चोटिल हो गए। पांच गाड़ियां भी क्षतिग्रस्त हो गईं।

एमपी व एमएलए को सेल्यूट का आदेश पुलिस की साख गिराएगा : जीतू पटवारी

पीसीसी चीफ ने डीजीपी को लिखा पत्र, आदेश को वापस करने की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश के डीजीपी द्वारा सांसद विधायकों को पुलिस कर्मचारियों और अधिकारियों द्वारा सैल्यूट करने केआदेश को लेकर सियासत छिड़ गई है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने डीजीपी को पत्र लिखकर इस फैसले को वापस लेने की मांग की हैं। उन्होंने कहा कि अगर गंभीर आपराधिक मामलों में नामजद जनप्रतिनिधियों को सलामी देगी, तो पुलिस की साख और निष्पक्षता प्रभावित होगी।

पटवारी ने सांसदों और विधायकों को सलामी देने वाले फैसले पर सवाल उठाया हैं। उन्होंने पत्र में लिखा है कि जिन जनप्रतिनिधियों पर गंभीर अपराधों के मामले दर्ज हैं, उन्हें पुलिस द्वारा सलामी देना पुलिस की कार्यप्रणाली और कानून व्यवस्था पर सवाल खड़ा करता है। उन्होंने कहा कि पुलिस का प्राथमिक दायित्व कानून-व्यवस्था बनाए रखना है, अपराधियों की जांच करना और उनकी जवाबदेही तय करना है, न कि उन्हें सलामी देना। ऐसे आदेश से पुलिसकर्मियों पर अनावश्यक दबाव बनेगा और निष्पक्ष कार्रवाई प्रभावित हो सकती है। पटवारी ने कहा कि इस आदेश से पुलिसकर्मियों का मनोबल गिर सकता है और जनता में कानून के प्रति विश्वास भी कमजोर हो सकता है। उन्होंने आग्रह किया कि इस आदेश को तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाए और भविष्य में भी ऐसे निर्णयों से बचा जाए, प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाते हूं ने अनुरोध किया कि प्रदेश में कानून के प्रति विश्वास बनाए रखने के लिए इस आदेश को वापस लेने और उचित कार्यवाही करने की दिशा में त्वरित कदम उठाए जाएं।

बीजेपी का तंज- कांग्रेस में जमकर अंतर्कलह

पटवारी के पत्र के बाद बीजेपी नेता नरेंद्र सलूजा ने तंज कसते हुए ट्वीट किया है कि जीतू का उमंग सिंघार पर निशाना। पुलिस मुख्यालय के जनप्रतिनिधियों को सम्मान देने के आदेश पर कांग्रेस में जमकर अंतर्कलह। जीतू पटवारी के इस आदेश के विरोध करने के बाद, कल इंदौर में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने इसे प्रोटोकॉल बताते हुए इस आदेश का समर्थन कर, पटवारी जी को आईना दिखाया था। इसके बाद आज पटवारी जी ने जवाबी हमला करते हुए पत्र ही जारी कर दिया कि आपराधिक मामलों वाले जनप्रतिनिधि को सलामी नहीं दी जाए। सलूजा ने यह भी लिखा है कि अब सभी को पता है कि आपराधिक मामलों के माध्यम से उनका निशाना सिंघार जी पर ही है। सही कहते हैं पटवारी जी कांग्रेस में गुटबाजी कैंसर है।

भाजपा-जद (एस) कर्नाटक में कांग्रेस सरकार को गिराना चाहते हैं : शिवकुमार

बोले- 2028 के राज्य में कांग्रेस फिर से सत्ता में आएगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने आरोप लगाया कि भाजपा और जनता दल (सेक्युलर) राज्य की कांग्रेस सरकार को किसी भी तरह से हटाना चाहते हैं, लेकिन वे सफल नहीं होंगे। शिवकुमार ने यह भी कहा कि 2028 के राज्य विधानसभा चुनावों में कांग्रेस फिर से सत्ता में आएगी। प्रदेश कांग्रेस प्रमुख, राज्य में पार्टी की सरकार बनने के दो वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में इसकी उपलब्धियों को रेखांकित करने और बेंगलुरु ग्रामीण जिले में विभिन्न विकास कार्यों को शुरू करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

शिवकुमार ने कहा, आपने (जनता ने) हमें जो ताकत दी है, उसे हम भूल नहीं सकते। कर्नाटक सरकार आज अपने प्रशासन के लिए जानी जाती है। हमने 4 लाख करोड़ रुपए से अधिक का बजट पेश किया है और सभी के लिए समान अधिकार और समान जीवन के सूत्र वाक्य के साथ सभी को हम साथ लेकर चल रहे हैं और कार्यक्रमों को लागू कर रहे हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने भाजपा और जद(एस) से पूछा कि उन्होंने लोगों, महिलाओं, किसानों, युवाओं और रोजगार सृजन के कल्याण के लिए क्या किया है। शिवकुमार ने कहा, वे इस सरकार को किसी तरह हटाना चाहते हैं। कुछ केंद्रीय मंत्री यह सपना देख रहे हैं। लेकिन एक बात याद रखें कि 2028 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस फिर से राज्य की सत्ता में आएगी। उनकी टिप्पणी कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा भाजपा पर कर्नाटक में कांग्रेस सरकार गिरा कर सत्ता हथियाने की कोशिश करने का आरोप लगाने के कुछ दिनों बाद आई है। उन्होंने राज्य में अपनी पार्टी के सदस्यों और नेताओं से सतर्क रहने और आंतरिक मतभेदों को दूर करते हुए एकजुट रहने का आग्रह किया। इससे पहले, मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने भाजपा द्वारा लगाए गए आरोपों की ओर इशारा करते हुए कहा कि गारंटी योजनाओं के कार्यान्वयन के कारण राज्य का खजाना खाली हो गया है, लेकिन इसमें कोई सच्चाई नहीं है।

भाजपा की जनाक्रोश यात्रा निराधार और झूठ का पुलिंदा : सिद्धरमैया

भाजपा की जनाक्रोश यात्रा को निराधार और झूठ का पुलिंदा बताते हुए सिद्धरमैया ने दावा किया कि केंद्र की भाजपा नीत सरकार ने पिछले 11 वर्षों में आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ा दी है। उन्होंने दावा किया, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें कम होने के बावजूद केंद्र ने गैस, पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ा दी है। देश में महंगाई के लिए केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जिम्मेदार है। इस बीच, राज्य में मेरे नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने न केवल विकास कार्यों को कार्यान्वित किया है, बल्कि योजनाओं की गारंटी भी दी है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि भाजपा जनता के समर्थन के बिना हमेशा पिछले दरवाजे से सत्ता में आई है।

पंजाब को आमंत्रित किया गया तो केंद्र से नहीं करेंगे वार्ता : डल्लेवाल

चार मई की वार्ता का बहिष्कार करेंगे किसान नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कहा कि अगर केंद्र सरकार पंजाब सरकार के प्रतिनिधियों को आमंत्रित करती है तो किसान चार मई को केंद्र के साथ होने वाली वार्ता का बहिष्कार करने के लिए मजबूर हो जाएंगे।

इससे पूर्व, पंजाब सरकार ने अपने दो सीमा बिंदुओं पर डेरा डाले आंदोलनकारियों को हटा दिया था। किसानों को इस सप्ताह की शुरुआत में केंद्र से बातचीत के लिए औपचारिक निमंत्रण मिला था। डल्लेवाल ने एक वीडियो संदेश में कहा, हमें केंद्रीय कृषि मंत्रालय से एक पत्र मिला है जिसमें हमें चार मई की बैठक के लिए आमंत्रित किया गया है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि केंद्र के साथ-साथ पंजाब सरकार के प्रतिनिधि भी बैठक में मौजूद रहेंगे। डल्लेवाल संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा (केएमएम) के संयुक्त मंच के वरिष्ठ नेता हैं।

सीएम बरसाएंगी बंगाल पर ममता

मई के पहले सप्ताह में मुर्शिदाबाद का दौरा करेंगी ममता बनर्जी

» विपक्ष के बवाल के बाद टीएमसी बैकफुट पर
» हिंसा प्रभावित क्षेत्रों का लेंगी जायजा
» राज्य में फैली हिंसा पर भाजपा व सीपीआईएम ने खोला था मोर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में चुनाव होने हैं। सारी सियासी पार्टियों ने अपने मैदान सजाने की तैयारी शुरू कर दी है। वक्फ के विरोध को लेकर जिस तरह से राज्य का माहौल प्रभावित हुआ है उसे लेकर टीएमसी सरकार व सीएम ममता बनर्जी विपक्ष के निशाने पर है। जहां भाजपा व कांग्रेस दोनों उनको घेर रहे हैं वहीं माकपा ने प्रदेश में फैल रहे हिंसा केपीछे भाजपा व टीमएसी को दोषी ठहराया है। मुख्य विपक्षी पार्टी भाजपा व वाम दलों ने ममता के खिलाफ जोरदार मोर्चा संभाला है। लगागार विपक्ष के हमले में घिरने के बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मई के पहले हफ्ते में मुर्शिदाबाद जाने का मन बनाया है।

वो वहां जाकर हिंसा से प्रभावित इलाकों का हालचाल लेंगी। उन्होंने एक सरकारी कार्यक्रम में ये बात बताई। दरअसल, मुर्शिदाबाद में वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ प्रदर्शन हुआ था, जिसमें हिंसा हो गई थी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मई के पहले सप्ताह में मुर्शिदाबाद जिले का दौरा करेंगी। यह दौरा हिंसा प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लेने के लिए होगा। एक सरकारी कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने यह जानकारी दी। बता दें कि वक्फ संशोधन अधिनियम के विरोध में मुर्शिदाबाद में हिंसा हुई थी। हिंसा में तीन लोगों की जान चली गई थी और कई घर छोड़कर भाग गए। बाद में, विरोध प्रदर्शन मालदा, दक्षिण 24 परगना और हुगली जैसे कई अन्य जिलों में भी फैल गया। इन इलाकों से आगजनी, पत्थरबाजी और सड़क जाम की खबरें आई। पिछले हफ्ते, पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस ने ममता बनर्जी के अनुरोध को दरकिनार करते हुए मुर्शिदाबाद का दौरा किया था। राज्यपाल बोस शनिवार को मुर्शिदाबाद पहुंचे और पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि पीड़ितों को सुरक्षा की भावना चाहिए। उन्होंने यह भी वादा किया कि वे उनकी चिंताओं को केंद्र और राज्य सरकारों के सामने उठाएंगे। बोस ने कहा था कि वे (पीड़ित) सुरक्षा की भावना चाहते हैं और निश्चित रूप से कुछ अन्य मांगें या जो भी सुझाव उनके द्वारा दिए गए हैं, उन सभी पर विचार किया जाएगा... हम उनके संपर्क में रहेंगे। निश्चित रूप से, बहुत प्रभावी सक्रिय कदम उठाए जाएंगे।

मुर्शिदाबाद हिंसा की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने नए सिरे से अपील का दिया आदेश

सुप्रीम कोर्ट ने एक याचिकाकर्ता को नए संशोधित वक्फ (संशोधन) अधिनियम को लेकर पश्चिम बंगाल में हुई हिंसा की अदालत की निगरानी में जांच के अनुरोध वाली याचिका वापस लेने की अनुमति दे दी। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोइस्वर सिंह की बेंच ने याचिकाकर्ता शशांक शेखर झा को याचिका वापस लेने की अनुमति दी और उन्हें नई याचिका दायर करने की छूट दी। शीर्ष अदालत ने झा की रिट याचिका में किए गए दावों को लेकर उनकी खिंचाई की। कोर्ट ने कहा कि याचिका आवश्यक पक्षों के अलावा किसी भी उचित सत्यापन के बिना दायर की गई थी।

बेंच ने कहा कि लगता है आप किसी जल्दबाजी में हैं। कोर्ट ने कहा कि प्रतीत होता है कि झा मीडिया में आई खबरों पर भरोसा करते हैं। शीर्ष अदालत ने उनसे याचिका में अपने दावों का उचित सत्यापन करने और नयी याचिका दायर करने के लिए कहा। कलकत्ता हाईकोर्ट ने हाल में हिंसा प्रभावित मुर्शिदाबाद जिले में केंद्रीय बलों की तैनाती का आदेश दिया है। संशोधित वक्फ अधिनियम के विरोध में 11 और 12 अप्रैल को मुर्शिदाबाद जिले के कुछ हिस्सों मुख्य रूप से सुती, शमशेरगंज, धुलियान और जंगीपुर में सांप्रदायिक हिंसामें हिंसा भड़क उठी। इसमें तीन लोग मारे गए।

न्यायिक जांच की मांग की

सीपीआईएम ने इस मामले में न्यायिक जांच की मांग की है। उसने बीजेपी और टीएमसी दोनों पर बेरोजगारी और महंगाई जैसे गंभीर मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए प्रतिस्पर्धी सांप्रदायिकता को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। कोलकाता में एक रैली को संबोधित करते हुए, सीपीआईएम के राज्य सचिव मोहम्मद सलीम ने दावा किया कि दोनों पार्टियां 2026 के राज्य चुनावों से पहले मतदाताओं को ध्रुवीकृत करने के लिए मिलीभगत कर रही हैं। लेफ्ट पार्टी ने ब्रिगेड परेड ग्राउंड में एक बड़ी रैली के साथ अपने अभियान की शुरुआत की।

बीजेपी ने बोला हमला

वहीं मुर्शिदाबाद हिंसा को लेकर राजनीति गरमाई हुई है। विपक्षी दलों ने सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर तीखे हमले किए हैं। उन्होंने सत्ता में आने पर कार्रवाई करने का वादा किया है। बीजेपी ने ममता बनर्जी की आलोचना तेज कर दी है। सुवेंदु अधिकारी ने हिंसा के पीछे के लोगों के खिलाफ बुलडोजर चलाने की धमकी दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि हिंदुओं को मुस्लिम-बहुल मुर्शिदाबाद से भगाया जा रहा है।

उन्होंने हिंदुओं से एकजुट होने का आह्वान किया। बीजेपी आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने बनर्जी पर स्थिति को संभालने में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। उन्होंने उन पर जनता को गुमराह करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि पुलिस रिपोर्टों में उनके इस दावे का खंडन किया गया है कि बाहरी लोग जिम्मेदार थे।

टीएमसी ने बीजेपी पर लगाया माहौल खराब करने का आरोप

टीएमसी ने बीजेपी पर आरोप लगाया है कि वो माहौल खराब कर रही है। टीएमसी नेता कुणाल घोष ने कहा कि राज्य सरकार लोगों में विश्वास जगाने के लिए सब कुछ कर रही है, लेकिन बीजेपी चुनावी फायदे के लिए स्थिति को और बिगाड़ना चाहती है। वे नहीं चाहते कि बंगाल में शांति रहे। वे नहीं चाहते कि अलग-अलग समुदायों के बीच प्यार बना रहे। पश्चिम बंगाल के दक्षिण दिनाजपुर जिले के बालुरघाट में बीजेपी समर्थकों और पुलिस के बीच झड़प हुई। केंद्रीय मंत्री और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सुकांता मजूमदार के नेतृत्व में बीजेपी कार्यकर्ताओं ने बीडीओ ऑफिस का घेराव किया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने की कोशिश की, जिसके बाद झड़प हुई। मजूमदार ने पुलिस पर लाठीचार्ज का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह ममता बनर्जी सरकार का अलोकतांत्रिक चेहरा दिखाता है। उनका कहना है कि पुलिस दंगाइयों को नहीं रोक पाती। जब गुंडों की भीड़ सामने आती है, तो पुलिस कहती है कि उनके पास कम लोग हैं। लेकिन जब बीजेपी शांतिपूर्ण तरीके से विरोध करती है, तो पुलिस उसे कुचल देती है।

मिथुन चक्रवर्ती ने की राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग

बीजेपी नेता और एक्टर मिथुन चक्रवर्ती ने एक बार फिर केंद्र सरकार से पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की है। उनका कहना है कि राज्य में कानून व्यवस्था ठीक नहीं है। खासकर मुर्शिदाबाद जिले में जो हिंसा हुई, उससे वो बहुत चिंतित हैं। यह हिंसा वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के कारण हुई। मिथुन ने कहा कि मैंने कई बार अनुरोध किया है और मैं अभी भी गृह मंत्री से अनुरोध कर रहा हूं। कम से कम, कृपया चुनाव के दौरान दो महीने के लिए अंदर सेना तैनात करें। अगर उन्हें तैनात किया जाता है, तो निष्पक्ष चुनाव होंगे।मिथुन की यह टिप्पणी 8 से 12 अप्रैल के बीच शमशेरगंज, सुती, धूलियान और जंगीपुर जैसे कई मुस्लिम बहुल

कस्बों में हुई सांप्रदायिक झड़पों के बीच आई है। हिंसा में तीन लोगों की मौत हो गई, सैकड़ों लोग गिरफ्तार हुए और हजारों लोग विस्थापित हुए, जिसके कारण राज्य सरकार और केंद्रीय एजेंसियों को हस्तक्षेप करना पड़ा।

बंगाल पुलिस पर भी उठे सवाल

मिथुन चक्रवर्ती ने बंगाल पुलिस की कार्यशैली पर प्रश्नचिन्ह लगाया। उन्होंने कहा कि पुलिस सिर्फ फंक्शन देखने आती है। जहां दंगे हो रहे होते हैं, वहां कुर्सी लगाकर तमाशा देखती है और फिर चुपचाप वापस चली जाती है। उन्होंने कहा कि पुलिस की भूमिका अब कानून व्यवस्था संभालने की नहीं रह गई, बल्कि मूकदर्शक बनने की हो गई है। उधर इस घटना पर पुलिस का कहना है कि उन्होंने हल्का बल प्रयोग किया। पुलिस का कहना था कि प्रदर्शनकारी [illegible] ऑफिस में घुसने की कोशिश कर रहे थे। अब स्थिति नियंत्रण में है। वहीं शिक्षा राज्य मंत्री मजूमदार ने मांग की है कि मुर्शिदाबाद में हिंसा करने वालों को गिरफ्तार किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशासन को ऐसे कदम उठाने चाहिए जिससे विस्थापित लोग सुरक्षित महसूस करें।

मिथुन भाजपा के दबाव में दे रहे बयान : शत्रुघ्न सिन्हा

अभिनेता-भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती पर टीएमसी सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि मिथुन चक्रवर्ती मेरे दोस्त हैं लेकिन वह कोई राजनीतिक व्यक्ति नहीं हैं। उन्हें राजनीति में लाया गया है। वह विधायक, पार्षद, सांसद नहीं रहे हैं। वह एक बार राज्यसभा के सदस्य बने थे, वह भी पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी की वजह से। उन्होंने कहा कि अब वह भाजपा के दबाव के कारण बयान दे रहे हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

नोटा को वोट नहीं प्रत्याशी माना जाए!

नोटा के प्रावधान होने के बावजूद बिना चुनाव कराए किसी प्रत्याशी को निर्विरोध निर्वाचित घोषित करने को चुनौती देने वाली याचिका की सुनवाई के दौरान कोर्ट का यह सुझाव काफी अहम है कि 'नोटा' को एक काल्पनिक प्रत्याशी माना जाए या विजेता उम्मीदवार के लिए न्यूनतम वोट प्रतिशत की अनिवार्यता लागू की जाए।

चुनावों को लेकर भारत में विवाद हो रहे हैं। जो पार्टी जीत जाती है वह कुछ नहीं बोलती पर जो हारती है वह पूरी प्रक्रिया पर सवाल उठा देती है। सबसे ज्यादा चुनावों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन पर सवाल तो उठते ही साथ ही 'नोटा'(नन ऑफ द अबव) के रस्मी प्रावधान को लेकर विवाद रहे हैं। देश की शीर्ष अदालत ने भी सरकार से कहा है कि वह चुनावों में उम्मीदवारों के निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए जाने से पहले न्यूनतम प्रतिशत वोट हासिल करने की आवश्यकता वाला एक सक्षम प्रावधान करने पर विचार करे। नोटा के प्रावधान होने के बावजूद बिना चुनाव कराए किसी प्रत्याशी को निर्विरोध निर्वाचित घोषित करने को चुनौती देने वाली याचिका की सुनवाई के दौरान कोर्ट का यह सुझाव काफी अहम है कि 'नोटा' को एक काल्पनिक प्रत्याशी माना जाए या विजेता उम्मीदवार के लिए न्यूनतम वोट प्रतिशत की अनिवार्यता लागू की जाए। कोर्ट ने कहा कि नोटा प्रावधान के बावजूद बिना चुनाव कराए किसी प्रत्याशी को निर्विरोध विजेता घोषित करना लोकतांत्रिक सिद्धांतों के खिलाफ हो सकता है।

सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी ने 'नोटा' और निर्विरोध चुनावों की मौजूदा प्रक्रिया प्रासंगिकता पर बहस छेड़ दी है। लोकतंत्र में प्रत्येक मतदाता की कीमत समान आंकी जाती है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश से ही वर्ष 2013 से लागू किया गया नोटा प्रावधान मतदाताओं को यह अधिकार देता है कि वे किसी भी उम्मीदवार को पसंद न करने पर यह विकल्प चुन सकते हैं। इस प्रावधान का पिछले सालों में बड़ी संख्या में मतदाताओं ने इस्तेमाल भी किया। कई मौकों पर तो नोटा के वोट उम्मीदवारों की हार-जीत के अंतर से भी ज्यादा सामने आए। नोटा प्रावधान को मजबूती इसलिए नहीं मिल पाई है क्योंकि नोटा को वर्तमान में केवल एक मत के रूप में गिना जाता है, न कि किसी प्रत्याशी के रूप में। सुप्रीम कोर्ट का तर्क है कि यदि नोटा को प्रत्याशी माना जाए, तो निर्विरोध घोषणा की स्थिति में भी मतदान अनिवार्य होगा। इससे मतदाताओं को अपनी असहमति दर्ज करने का मौका मिलेगा, जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और पारदर्शी बनाएगा। विजेता प्रत्याशी के लिए न्यूनतम वोट प्रतिशत की अनिवार्यता का सुझाव भी तार्किक है। यदि एक उम्मीदवार को विजेता घोषित करने के लिए न्यूनतम मतों की आवश्यकता हो, तो यह सुनिश्चित हो सकेगा कि विजेता को जनता का पर्याप्त समर्थन प्राप्त है। अभी इसकी बाध्यता नहीं होने से उम्मीदवारों में सर्वाधिक वोट हासिल करने वाला ही विजेता घोषित हो जाता है, भले ही उसे पांच से दस फीसदी वोट ही मिले हों। न्यूनतम वोट की बाध्यता जीत के लिए लागू हुई तो प्रत्याशी ज्यादा सक्रियता से मतदाताओं के बीच जाएंगे।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जनरल मुनीर की डींगें और नफरत की विरासत

लेफ्टि. जन. एसएस मेहता (अ.प्रा.)

कोविड-19 महामारी द्वारा कहर बरपाये जाने के बाद, और जलवायु परिवर्तन एवं भू-राजनीतिक टकरावों के कारण बनी उथल-पुथल वाले वैश्विक परिदृश्य के बीच, साल 2023 में भारत की मेजबानी में आयोजित किये गये जी-20 शिखर सम्मेलन में आपसी समन्वय बनाने का एक पवित्र आह्वान उभरा था 'एक पृथ्वी। एक परिवार। एक भविष्य'। इस पवित्र आह्वान की गूंज दुनिया भर में हुई। तब ऐसा लग रहा था कि अब तो रार पैदा करने वाले 'उपदेश' किसी अलग ही किस्म के प्राणी का काम होगा। जैसा कि अब हमने देख लिया है, एक जनरल असीम मुनीर नामक शख्स के रूप में उसे सामने आने में ज्यादा वक्त नहीं लगा। और फिर भी, पाकिस्तान के सेना प्रमुख ने बीते वक्त की बातों को याद दिलाते हुए, निश्चित तौर पर ठीक यही काम किया है।

जिसके तहत कुछेक दिन पहले ही अत्यंत निश्चितता के साथ, उन्होंने दावा किया कि 'हमारी महत्वाकांक्षाएं, परंपराएं, रीति-रिवाज हिंदुओं से अलग हैं' और इस अंतर को आने वाली पीढ़ियों को पक्के तौर पर अपने दिमाग में गहरे तक समा कर रखना चाहिये। जो बात वे समझने में असफल रहे - या शायद वे इस बात को स्वीकार करने से डरते भी हैं - वो यह है कि भले ही मनुष्यों की परंपराएं और रीति-रिवाज भिन्न होते हैं, लेकिन पूरी मानवता का सार तो एक ही है। धर्म का चोला, संस्कृति का घूंघट और ताकत की वर्दी उतारकर देखा जाये, तो सामने आयेगा कि हम सब मानव एक ही प्रजाति के हैं, जिसके भीतर गरिमा की चाह, सुरक्षा की भावना और अपने अस्तित्व की सार्थकता के मामले में आकांक्षाएं निस्संदेह एक समान हैं। यहां यह बात समीचीन ही कही जाएगी कि जब कोई व्यक्ति एक प्रकार से अपने ही निहित पूर्वाग्रहों का बंधक बन जाता है, तो इसका स्वाभाविक परिणाम होता है कि वह एक नेता नहीं, बल्कि एक कैदी होता है- किसी भी प्रकार के तर्क का नहीं, बल्कि अपने खून में रच चुके मिथक का।

जनरल मुनीर अपने वतन के लोगों का मार्गदर्शन कर उन्हें किसी बेहतर तरह के भविष्य में लेकर नहीं जा रहे वरन वे उन्हें इतिहास के सबसे अंधेरे कोने में धकेल रहे हैं, जहां पहचान का अहसास हथियारबंद होने से कराया गया और आपसी भिन्नता को घातकता में ढाला गया है। यदि इसमें किसी को जरा सा भी संदेह लगे, तो बस केवल हाल ही में पहलगाम में जो हुआ उसे याद कर लें, जो निस्संदेह अपने आप में बहुत

बड़ी दरिंदगी है, लेकिन यह घटनाक्रम और करतूत पवित्र पुस्तक में दी गई हरेक मूल्यवान सीख की पूरी तरह से अवहेलना है। इतिहास के सबसे हिंसक किरदारों ने मानवता को भिन्नता के आधार पर विभाजित करने वाली रेखाएं आत्मा के सबसे बड़े इस सत्य को अस्वीकार करके खींची हैं, वह यह है कि हमारा जन्म राष्ट्रों के आधार पर नहीं होता, न ही हमारा जन्म आस्था के आधार पर होता है बल्कि हम महज मनुष्यों के रूप में ही पैदा होते हैं। दरअसल, हमें स्पष्ट होना चाहिए यह किसी की विरासत में निहित आस्था, संस्कृति या गौरव की आलोचना नहीं है। यह गहराई से व्यक्तिगत है, जो आम तौर पर मोहक, मानव पहचान के पहलू हैं। लेकिन वर्दीधारी जब इनको हांककर, आपस में बांटकर, एक-दूसरे पर स्थाई तौर पर शक करने या 'हमारा-तुम्हारा' वाली अपनी मनमानी लकीरों को न्यायोचित बना देते हैं - तब वे परंपरा के वाहक न होकर, जुल्म ढहाने के औजार बन जाते हैं। ऐसा करवाने वाले शख्स के वर्दी, ब्यानबाजी, पूर्वाभ्यासित दर्प को उतारकर देखें - तो आप एक वह व्यक्ति पाएंगे, जिसे अपने खुद के भ्रम से मुक्त होने से डर लगता है। इस उपमहाद्वीप ने विगत में इस तरह के भ्रमों की कीमत बहुत अधिक खून बहाकर चुकाई है। देश के विभाजन ने परिवार, दोस्ती और सदियों से कायम रहे साझा अस्तित्व के टुकड़े ही कर दिए। साल 2025 में किसी शख्स के द्वारा ऐसे 'तर्क' को हवा देना न केवल बेहद गैर-जिम्मेवाराना है- बल्कि खतरनाक भी है। जनरल मुनीर के बोल महज पुराने युग के नहीं हैं, वे तो उस तरक्की को मटियामेट करने वाले हैं, जिसके वास्ते लाखों लोगों ने संघर्ष किया- जब तक कि यह एक और विभाजन करवाने के इरादे से न हो।

पहला 1947 में, फिर 1971 में याह्या खान और पूर्वी पाकिस्तान वाला, और अब 2025 में? ईश्वर ही जानता है कि उन्हें अपने मन में किस लक्ष्य पर यकीन है, जिसकी वह कल्पना कर रहे हैं कहीं वह विभाजन की हैट-ट्रिक बन जाए। उन्हें यकीन है कि वे सही राह पर हैं। पेंटागन के पूर्व अधिकारी माइकल रुबिन ने पहलगाम का जिक्र करते हुए एक लोकोक्ति या रूपक का इस्तेमाल किया 'यह चौंकाने वाला था, लेकिन इसने आपको केवल यही दर्शाया है कि 'भले ही आप सुअर को लिपस्टिक लगाकर सज़ा दें, लेकिन रहेगा सुअर का सुअर ही। यह भी कि कोई नाटक कर सकता है कि पाकिस्तान आतंकवाद को प्रायोजित नहीं करता, लेकिन वह आतंकवाद को प्रायोजित करता रहेगा।

गणित के अनंत दीप की अमर धरोहर

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

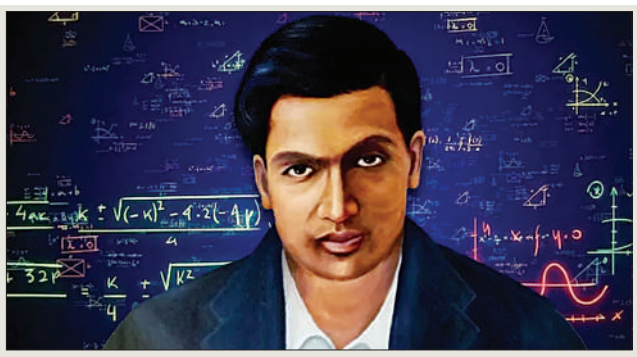

स्कूल की किताबें उनके लिए छोटी पड़ गईं; उन्होंने स्वयं गणित के गहन समुद्र में डुबकी लगाई। 15 वर्ष की उम्र में जब उनके हाथ जी.एस. कार की 'ए सिनॉप्सिस ऑफ एलिमेंट्री रिजल्ट्स इन प्योर मैथमैटिक्स' लगी, तो यह उनके लिए किसी वेद की तरह थी। इस किताब ने उनकी प्रतिभा को पंख दिए और उनकी नोटबुक्स में सूत्रों का अमृत उमड़ने लगा। रामानुजन का गणित केवल गणनाओं का खेल नहीं था; वह एक आध्यात्मिक यात्रा थी।

जब संख्याएं गूंज उठती हैं और समीकरण आत्मा के साथ नृत्य करते हैं, तब एक नाम सृष्टि के कण-कण में बस जाता है—श्रीनिवास रामानुजन। 26 अप्रैल, 1920, वह काला दिन जब भारत की धरती ने अपने इस अनमोल रत्न को खो दिया, पर उनकी गणितीय चेतना ने अनंत काल के लिए विश्व को रोशन कर दिया। यह पुण्यतिथि नहीं, एक महान तपस्वी की साधना का उत्सव है, जिसने गणित को न केवल विज्ञान, बल्कि काव्य, दर्शन और ईश्वर से जोड़ दिया। रामानुजन कोई साधारण गणितज्ञ नहीं थे; वे थे संख्याओं के संत, सूत्रों के साधक, और ब्रह्मांड के रहस्यों के द्रष्टा। तमिलनाडु के छोटे से शहर इरोड में 22 दिसंबर, 1887 को जन्मे रामानुजन का जीवन किसी परीकथा से कम नहीं।

एक साधारण ब्राह्मण परिवार, आर्थिक तंगी और औपचारिक शिक्षा का अभाव— ये सब उनके सामने दीवारें थीं, पर उनकी प्रतिभा ऐसी तूफानी लहर थी जो हर बाधा को चूर कर देती थी। बचपन से ही संख्याएं उनकी सखी थीं, उनके सपने थीं। जहां बच्चे मिट्टी के खिलौनों में खोए रहते, वहीं रामानुजन संख्याओं के जादुई संसार में गोते लगाते। स्कूल की किताबें उनके लिए छोटी पड़ गईं; उन्होंने स्वयं गणित के गहन समुद्र में डुबकी लगाई। 15 वर्ष की उम्र में जब उनके हाथ जी.एस. कार की 'ए सिनॉप्सिस ऑफ एलिमेंट्री रिजल्ट्स इन प्योर मैथमैटिक्स' लगी, तो यह उनके लिए किसी वेद की तरह थी। इस किताब ने उनकी प्रतिभा को पंख दिए और उनकी नोटबुक्स में सूत्रों का अमृत उमड़ने लगा। रामानुजन का गणित केवल गणनाओं का खेल नहीं था; वह एक आध्यात्मिक यात्रा थी। उनकी कुलदेवी नमगिरी उनके लिए प्रेरणा की स्रोत थीं। वे कहते थे, 'हर सूत्र जो मेरे मन में आता है, वह देवी की कृपा है।' उनके लिए गणित और ईश्वर एक ही सत्य के दो रूप थे। उनकी रचनाएं— चाहे वह अनंत श्रृंखलाएं हों, निरंतर भिन्न हों, या विभाजन फलन — मानो ब्रह्मांड की गूढ़ भाषा में लिखी गई कविताएं थीं।

उनकी पाई (p) की गणना के लिए दी गई श्रृंखलाएं इतनी सुंदर और सटीक थीं कि आज भी सुपरकंप्यूटर उनकी मदद लेते हैं। रामानुजन का विभाजन फलन, जो यह बताता है कि किसी संख्या को कितने तरीकों से छोटी संख्याओं के योग के रूप में लिखा जा सकता है, गणित में क्रांति ला गया। उनके थीटा फलन और मॉड्यूलर समीकरणों ने आधुनिक भौतिकी, क्रिप्टोग्राफी, और ब्लैक होल सिद्धांत तक में अपनी जगह बनाई। रामानुजन की प्रतिभा तब विश्व के सामने आई, जब उन्होंने 1913 में कैम्ब्रिज के प्रख्यात गणितज्ञ जी.एच. हार्डी को पत्र लिखा। उस पत्र में दर्जनों सूत्र थे, जिन्हें देख हार्डी स्तब्ध रह गए। पहले तो उन्हें विश्वास ही नहीं हुआ कि कोई स्वशिक्षित भारतीय इतने गहन और मौलिक सूत्र लिख सकता है। हार्डी ने कहा, 'रामानुजन का गणित मानव मस्तिष्क से परे है; यह ईश्वर की प्रेरणा है।' रामानुजन को कैम्ब्रिज बुलाया गया, और वहां हार्डी के साथ उनकी जोड़ी ने गणित की दुनिया में तहलका मचा दिया। हार्डी-रामानुजन फॉर्मूला, जो प्राइम नंबर्स की गणना से संबंधित है, और उनकी संयुक्त शोध पत्रिकाएं आज भी गणित के स्वर्णिम पन्नों में दर्ज हैं। रामानुजन की नोटबुक्स उनकी सबसे बड़ी विरासत हैं। इनमें हजारों सूत्र और प्रमेय हैं, जिनमें से कई को समझने में गणितज्ञों को दशकों लग गए। उनकी मॉक थीटा फलन, जिन्हें उन्होंने मृत्युशैया पर लिखा, गणित का एक ऐसा रहस्य है जिसे 21वीं सदी में पूरी तरह समझा गया। ये फलन आज क्वांटम भौतिकी और स्ट्रिंग सिद्धांत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनकी रीमान जेटा फलन से संबंधित खोजें आज भी गणित के सबसे बड़े अनसुलझे सवालों में से एक, रीमान हाइपोथेसिस, को समझने में मदद करती हैं। कैम्ब्रिज में उन्हें न केवल सांस्कृतिक और सामाजिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा, बल्कि उनकी शाकाहारी जीवनशैली और इंग्लैंड की ठंडी जलवायु ने उनके स्वास्थ्य को भी प्रभावित किया। वर्ष 1917 में उन्हें टीबी का पता चला, और 1919 में जब वे भारत लौटे, उनकी हालत और बिगड़ गई। 32 वर्ष की अल्पायु में, 26 अप्रैल, 1920 को कुंभकोणम में उनका नश्वर शरीर पंचतत्व में विलीन हो गया। उनकी मृत्यु के बाद भी उनकी नोटबुक्स ने गणितज्ञों को नई दिशाएं दीं। 1976 में उनकी एक खोई हुई नोटबुक, जिसे 'लॉस्ट नोटबुक' कहा जाता है, की खोज ने गणित की दुनिया में सनसनी मचा दी।

भारत में उनकी जन्मशती पर 1987 में 22 दिसंबर को राष्ट्रीय गणित वर्ष घोषित किया गया। उनकी नोटबुक्स का अध्ययन आज भी विश्व के शीर्ष गणित संस्थानों में होता है। उनकी जीवनी पर आधारित किताबें, जैसे रॉबर्ट कैनिगल की 'द मैन हू न्यू इन्फिनिटी', और उस पर बनी फिल्म ने उनकी कहानी को विश्वभर में पहुंचाया। रामानुजन का जीवन हमें सिखाता है कि प्रतिभा किसी डिग्री, धन या संसाधनों की मोहताज नहीं। वे हमें सिखाते हैं कि यदि विश्वास और समर्पण हो, तो एक साधारण इंसान भी असाधारण बन सकता है। उनकी गणितीय खोजें न केवल विज्ञान की उन्नति में योगदान देती हैं, बल्कि यह भी दिखाती हैं कि मानव मस्तिष्क की कोई सीमा नहीं।

दमकता चेहरा पाने के लिए लगाएं मलाई

सोशल मीडिया के इस दौर में हर कोई खूबसूरत दिखना चाहता है। इसके लिए लोग महंगे महंगे स्किन केयर प्रोडक्ट इस्तेमाल करते हैं। यदि आप भी उन्हीं लोगों में से हैं, लेकिन स्किन केयर में ज्यादा पैसे खर्च नहीं करना चाहती हैं तो आप अपने चेहरे पर मलाई का इस्तेमाल कर सकते है जो आपको अपनी रसोई में ही मिल जाएगी। जिसके इस्तेमाल से आपका चेहरा एकदम चमक उठेगा। इस सस्ती मलाई के इस्तेमाल से आप दमकती त्वचा पा सकते हैं। इसके इस्तेमाल के लिए सबसे पहले ताजा मलाई लें, जिसे आप दूध से निकाल सकते हैं। अगर आपकी त्वचा ऑयली है, तो मलाई में कुछ बूंदें गुलाब जल मिलाकर लगाएं। चेहरे को साफ करने के लिए हल्के गुनगुने पानी से धो लें। इससे त्वचा के रोमछिद्र खुल जाते हैं और गंदगी साफ हो जाती है, जिससे मलाई का असर बेहतर होता है।

गुलाब जल मिलाकर लगाएं

त्वचा को मॉइस्चराइज करने के लिए आप रात को सोने से पहले रोज सोने से पहले मलाई में गुलाब जल मिलाकर लगा सकते हैं। इसके लिए आपको एक-एक चम्मच मलाई और गुलाब जल लेकर अच्छी तरह मिक्स कर लेना है। इस मिश्रण को चेहरे पर लगाएं और 2-3 मिनट चेहरे की अच्छी तरह मसाज करें। जिससे कि मलाई आपकी त्वचा में अच्छी तरह अवशोषित हो जाए। आप दिन में नहाने या चेहरा धोने के बाद भी चेहरे पर इस मिश्रण को लगा सकते हैं। इससे जल्द आपको ड्राई स्किन से छुटकारा मिलेगा।

मलाई और शहद

मलाई की तरह शहद भी मॉइश्चराइजिंग गुणों से भरपूर होता है। यह डेड स्किन का सफाया करने में भी मदद करता है। मलाई में शहद मिलाकर लगाने से त्वचा अधिक मॉइश्चराइज रहती है और ड्राइनेस से बचाव होता है। अगर आप अपनी त्वचा को हेल्दी और ग्लोइंग बनाए रखना चाहते हैं, तो रोज मलाई से मसाज करें और फर्क खुद देखें। मलाई को कम से कम 15-20 मिनट तक चेहरे पर लगा रहने दें। इस दौरान इसे पूरी तरह से त्वचा में समाने दें, जिससे त्वचा को पर्याप्त पोषण मिल सके। जब मलाई सूख जाए, तो चेहरे को हल्के गुनगुने पानी से धो लें। इसके बाद चेहरे को साफ तौलिए से हल्के हाथों से पोंछें।

बेसन में मिलाकर लगाएं

त्वचा में नमी को बनाए रखने और कोमल बनाने के लिए बेसन का प्रयोग बहुत लाभकारी है। मलाई और बेसन का कॉम्बिनेशन मुलायम और दमकती त्वचा पाने के लिए एक रामबाण उपाय साबित हो सकता है। इसके लिए आपको एक कटोरी में एक चम्मच दूध की मलाई, समान मात्रा में शहद, बेसन और नींबू का रस डालकर सभी को मिक्स करना है। इस फेस पैक को सप्ताह में 2-3 बार रात को सोने से पहले चेहरे पर लगाएं। उसके बाद सादे पानी से चेहरा धो लें। यह फेस पैक आप त्वचा की टैनिंग, दाग-धब्बे और कालापन दूर करने में भी मदद करता है।

मलाई और हल्दी

स्किन पर हल्दी और दूध की मलाई का इस्तेमाल करने से डेड सेल्स को हटाया जा सकता है। दरअसल, दूध की मलाई में मौजूद लैक्टिक एसिड, सेल को रिपेयर करने में अहम भूमिका निभाता है। यदि आप मलाई का इस्तेमाल फेस पैस के रूप में करना चाहते हैं तो मलाई में एक चुटकी हल्दी मिलाकर चेहरे पर लगाने से स्किन ब्राइट होती है और दाग-धब्बे दूर होते हैं। मलाई को उंगलियों पर लेकर पूरे चेहरे पर धीरे-धीरे लगाएं। 5-10 मिनट तक हल्के हाथों से गोल-गोल घुमाते हुए मसाज करें ताकि त्वचा इसे अच्छे से सोख सके। इससे त्वचा में नैचुरल चमक भी आएगी। आप रोज रात को सोने से पहले इस मास्क का प्रयोग कर सकते हैं।

हंसना मना है

एक बार संता जंगल से होकर गुजर रहा था सामने पेड़ पर लटकते सांप को देखकर रुक गया और बोला: सिर्फ लटकने से कुछ नहीं होगा, मम्मी को बोलो कॉम्प्लान पिलाये।

एक गरीब आदमी बोला: ऐसी जिंदगी से तो मौत अच्छी! अचानक यमदूत आया और बोला: तुम्हारी जान लेने आया हूं। आदमी बोला: लो अब गरीब आदमी मजाक भी नही कर सकता?

पापा: कितनी फ्रीक्वेंसी का भूकंप आया था। बेटा: 7.9 का। पापा: अरे वाह बेटा, आजकल तो भूकंप भी तेरे नंबर से ज्यादा आने लगे।

डॉक्टर: आपकी परेशानी व बीमारी का कारण मुझे समझ में नहीं आ रहा है। असल में मैं समझाता हूं कि यह नशे की वजह से हैं। मरीज -कोई बात नहीं, जब आपका नशा उतरेगा, तब आ जाऊंगा।

पुत्र: मां मैं भी तालाब में तैरना चाहता हुं? मां: नहीं ! बेटा डूब जाओगे। पुत्र: लेकिन पिताजी तो घंटे- भर से तालाब में तैर रहें है। मां- बेटा तुम्हारे पापा का बीमा हो चुका है।

मेहमान: और बताओ बेटा आगे का क्या प्लान है... बच्चा- बस आपके जाते ही बिस्कुट खाऊंगा... वैसे भी नमकीन और मेवा तो आपने छोड़ी नहीं है....

कहानी | कौए ने पाई नकल की भीषण सजा

एक पहाड़ की ऊंची चोटी पर एक गरुड़ पक्षी रहता था। उसी पहाड़ की तलहटी में एक विशाल वृक्ष था, जिस पर एक कौआ अपना घोंसला बनाकर रहता था। तलहटी में आस-पास के गांवों में रहने वाले पशु पालकों की भेड़-बकरियां चरने आया करती थीं। जब उनके साथ उनके मेमने भी होते तो गरुड़ प्राय: उन्हें अपना शिकार बना लेता था। चूंकि गरुड़ विशाल पक्षी होता है और उसकी शक्ति अधिक होती है, इसलिए वह ऐसा आसानी से कर लेता था। कौआ प्राय: यह दृश्य देखता था कि जैसे ही कोई मेमना नजर आया कि गरुड़ अपनी चोटी से उड़ान भरता और तलहटी में जाकर मेमने को झपट्टा मारकर सहज ही उठा लेता। फिर बड़े आराम से अपने घोंसले में जाकर उसे आहार बनाता। कौआ रोज यह देखता और रोमांचित होता। रोज देख-देखकर एक दिन कौए को भी जोश आ गया। उसने सोचा कि यदि गरुड़ ऐसा पराक्रम कर सकता है तो मैं क्यों नहीं कर सकता? आज मैं भी ऐसा ही करूंगा। वह तलहटी पर चौकन्ना होकर निगाह रखने लगा। कुछ देर बाद कौए ने एक मेमने को तलहटी में घास खाते हुए देखा। उसने भी गरुड़ की ही तरह हवा में जोरदार उड़ान भरी और आसमान में जितना ऊपर तक जा सकता था, उड़ता चला गया। फिर तेजी से नीचे आकर गरुड़ की भांति झपट्टा मारने की कोशिश की, किंतु इतनी ऊंचाई से हवा में गोता लगाने का अभ्यास न होने के कारण वह मेमने तक पहुंचने की बजाए एक चट्टान से जा टकराया। उसका सिर फूट गया, चोंच टूट गई और कुछ ही देर में उसकी मृत्यु हो गई।

कथा का सार- अपनी स्थिति और क्षमता पर विचार किए बिना किसी की नकल करने के विपरीत परिणाम भुगतने पड़ते हैं। इसलिए सदैव अपनी मौलिकता में रहें और विवेकयुक्त अनुकरण करें।

7 अंतर खोजें

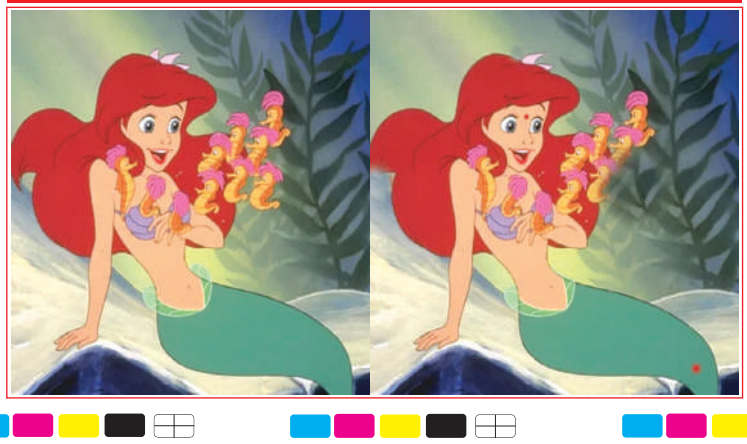

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

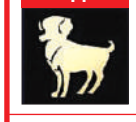

नौकरी में कार्यभार रहेगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आय में निश्चितता रहेगी। एकाएक स्वास्थ्य खराब हो सकता है, लापरवाही न करें। व्यर्थ दौड़धूप होगी।

वृषभ

भाग्य का साथ मिलेगा। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। लाभ देगा।

मिथुन

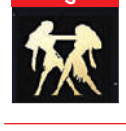

फिजूलखर्ची ज्यादा होगी। शत्रु भय रहेगा। शारीरिक कष्ट से बाधा उत्पन्न होगी। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नए काम करने का मन बनेगा।

कर्क

अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। निवेश शुभ रहेगा।

सिंह

कोई बड़ा खर्च एकाएक सामने आएगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। कुसंगति से बचें। किसी व्यक्ति के काम की जवाबदारी न लें। स्वयं के काम पर ध्यान दें।

कन्या

घर के छोटे सदस्यों संबंधी चिंता रहेगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। जल्दबाजी न करें।

तुला

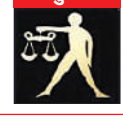

नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

वृश्चिक

वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय सताएगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। तंत्र-मंत्र में रुचि जागृत होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

धनु

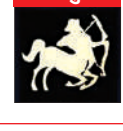

स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद से क्लेश हो सकता है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

मकर

कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल बनेगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि अपमान हो।

कुम्भ

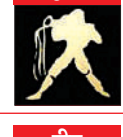

नौकरी में अधिकार मिल सकते हैं। सुख के साधन जुटेंगे। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। भाग्य का साथ मिलेगा।

मीन

विवेक का प्रयोग करें। समस्याएं कम होंगी। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय रहेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

सोहेल खान से तलाक के बाद मैं अफेयर से घबराती थी : सीमा

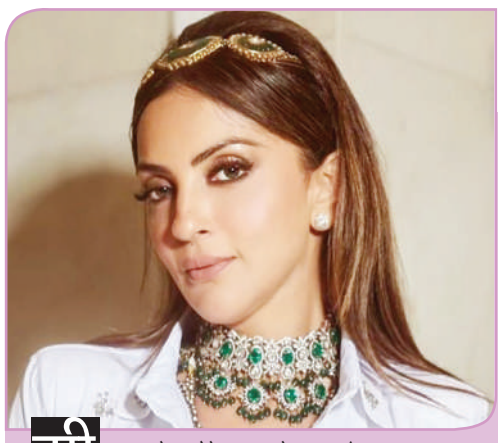

सीमा सजदेह, सोहेल खान से तलाक के बाद लाइमलाइट में आई थीं फिर नेटफ्लिक्स के शो 'फैब्युलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स' ने उन्हें लोगों के बीच मशहूर बना दिया। शो में महीप कपूर, भावना पांडे और नीलम कोठारी के साथ उनकी जुगलबंदी लोगों को पसंद आई। पहले सीजन में सोहेल खान के साथ उनके टूटते रिश्ते को दिखाया गया था, जबकि तीसरे सीजन में उन्हें उस शख्स के साथ रिश्ते में दिखाया गया, जिनसे उनकी कभी शादी टूट गई थी। सीमा ने एक इंटरव्यू में शादी के बाद लोगों को डेट करने के अपने अनुभव बयां किए। उन्हें लगता था कि वे मारी जा सकती हैं। सीमा ने जेनिस सिक्वेरा के साथ बातचीत में तलाक के बाद डेटिंग को सबसे बुरा एहसास बताया। उन्होंने कहा, 'ईमानदारी से कहूं, तो यह मेरे लिए यह सबसे बुरा दौर था। हर कोई मुझसे कहता था, 'अरे बस जाओ, अच्छा समय बिताओ, उससे मिलो, उससे बात करो'। मैंने अमेरिकी सीरीज 'लॉ एंड ऑर्डर एसवीयू' बहुत बार देखी। लगने लगा कि मुझे मारा जा सकता है। मैं सोचने लगी, 'अगर वह सीरियल किलर निकला तो क्या होगा?' सीमा सजदेह ने फिर बताया कि आज के दौर में डेटिंग उनके बस की बात नहीं है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, सीमा ने कहा, 'मुझे माफ करें, मैं पुरानी सोच की हूं। मुझे तो 'सिचुएशनशिप' का मतलब भी नहीं पता था। सीमा सजदेह ने बताया कि एक बार उन्होंने नशे में धुत होकर एक डेटिंग ऐप जॉइन किया था। वे बोलीं, 'मैंने एक डेटिंग ऐप पर एक बार जॉइन किया, क्योंकि उस रात मैंने बहुत ज्यादा पी ली थी और कुछ दोस्तों के साथ मिलकर हमने एक-साथ ऐप पर रजिस्टर किया। उनके सुझाव पर मैंने उस ऐप पर रजिस्टर किया और फिर जब सुबह उठी, तो मुझे एहसास हुआ कि मैंने अपने पार्टनर के लिए जेंडर के रूप में महिला को चुना था। मुझे लगा कि वे मुझसे मेरा जेंडर पूछ रहे थे।'

कृति संग रोमांस मचाने को तैयार हैं कार्तिक

हॉरर फिल्म भूल भुलैया 3 में तहलका मचाने वाले कार्तिक आर्यन अब हॉरर जॉनर को किनारे करके रोमांस में फिर से धमाल मचाने की तैयारी कर रहे हैं। लंबे समय से चर्चा हो रही थी कि अभिनेता आशिकी 3 में नजर आएंगे। यह फिल्म न सही, लेकिन अनुराग बसु एक और रोमांटिक मूवी के साथ उन्हें बड़े पर्दे पर ला रहे हैं। इस बीच कार्तिक के हाथ एक और मूवी लग गई है।

डायरेक्टर के साथ काम करने जा रहे हैं, उन्होंने इसी साल 600 करोड़ रुपये कमाने वाली फिल्म का निर्देशन किया है। हम बात कर रहे हैं लक्ष्मण उतेकर की जिन्होंने छावा बनाई है। ऐतिहासिक फिल्म के बाद लक्ष्मण एक रोमांटिक मूवी बनाने जा रहे हैं जिसके हीरो कार्तिक होंगे।

मिड-डे के मुताबिक, लक्ष्मण उतेकर की आगामी फिल्म की कहानी पर अभी काम चल रहा है। उनकी रोमांटिक ड्रामा में एक गहरी कहानी होगी जो उनकी पिछली फिल्म लुका छुपी में नहीं थी। यह एक इंटेंस रोमांटिक ड्रामा होने वाला है। लक्ष्मण लुका छुपी में कार्तिक और कृति के साथ काम कर चुके हैं। उनकी जोड़ी को काफी पसंद किया गया था। ऐसे में उनका फिर से साथ आना एक्साइटिंग है लेकिन एक प्रॉब्लम भी है। दरअसल, कार्तिक और कृति के पास अभी बहुत सारे प्रोजेक्ट्स लाइन में हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि शायद डेट्स में प्रॉब्लम हो। अगर सब कुछ ठीक रहता है तो अगले साल से प्रोजेक्ट पर काम भी शुरू हो जाएगा। अगस्त के बाद ही फिल्म से जुड़ा आखिरी ड्राफ्ट तैयार होगा और फिर फैसला लिया जाएगा। मालूम हो कि लक्ष्मण ने कृति के साथ लुका छुपी के अलावा मिमी भी की है जिसके लिए एक्ट्रेस को नेशनल अवॉर्ड भी मिला है। कार्तिक आर्यन इन दिनों अनुराग बसु की आगामी अनटाइटल्ड फिल्म में श्रीलीला के साथ शूटिंग कर रहे हैं। इसके अलावा उनके पास करण जौहर निर्मित मूवी तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी और नागजिला है।

बॉलीवुड | मसाला

पहलगाम हमले के विरोध में श्रेया घोषाल ने अपना कॉन्सर्ट किया रद्द

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने पूरे देश को गहरे सदमे में डाल दिया है। 22 अप्रैल को खूबसूरत बैसरन घाटी में हुए इस निर्मम हमले में 27 मासूमों की जान चली गई। इस दर्दनाक घटना ने हर भारतीय का दिल तोड़ दिया है। सोशल मीडिया पर हमले के दिल दहला देने वाले वीडियो सामने आए हैं, जिन्हें देखकर पूरा देश शोक में डूब गया है। राजनेताओं से लेकर फिल्मी सितारों तक, हर कोई इस त्रासदी पर शोक जता रहा है।

इस हमले का असर एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री पर भी साफ नजर आ रहा है। कई बड़े सिंगर्स ने अपने कॉन्सर्ट रद्द कर दिए हैं। बादशाह और अरिजीत सिंह के बाद अब मशहूर गायिका श्रेया घोषाल ने भी अपना सूरत में होने वाला कॉन्सर्ट कैंसिल कर दिया है। श्रेया ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए इस फैसले की जानकारी दी।

उन्होंने लिखा कि आयोजकों के साथ विचार-विमर्श के बाद 26 अप्रैल को होने वाला सूरत का कॉन्सर्ट सम्मान और शोक स्वरूप रद्द कर दिया गया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सभी लोगों को टिकट का पूरा पैसा वापस कर दिया जाएगा। किसी भी तरह के सवाल या सहायता के लिए उन्होंने ईमेल के माध्यम से संपर्क करने का विकल्प भी दिया है।

श्रेया घोषाल ने अपने फैंस से इस फैसले को समझने की अपील की और दुख की इस घड़ी में एकजुट रहने का संदेश दिया। इससे पहले अरिजीत सिंह ने भी 27 अप्रैल को चेन्नई में होने वाला अपना कॉन्सर्ट रद्द कर दिया था। उन्होंने भी रिफंड प्रक्रिया की जानकारी फैंस के साथ साझा की थी।

देशभर में कलाकार अपने प्रोजेक्ट्स और इवेंट्स को या तो स्थगित कर रहे हैं या रद्द कर रहे हैं। इस भयानक हमले ने पूरे भारत को झकझोर दिया है और हर तरफ शोक की लहर है। पूरा देश एक स्वर में आतंक के खिलाफ खड़ा हो गया है।

अजब-गजब | इसे कहा जाता है दुनिया की अद्भुत महिला

इस महिला को हंसा नहीं पाया बड़े से बड़ा कॉमेडियन

दुनिया में ऐसा कोई इंसान नहीं होगा जो हंसता न हो। हर किसी को कभी न कभी हंसी आ ही जाती है। लेकिन आज हम आपको एक ऐसी महिला के बारे में बताने जा रहे हैं जिसे कोई हंसा नहीं सका। यही नहीं इस महिला को हंसाने में बड़े-बड़े कॉमेडियन भी फेल हो गए थे। दरअसल, हम बात कर रहे हैं 1880 से 1930 के दशक में चलने वाले वॉडविले की जो अमेरिकी में उस दौर में मनोरंजन का सबसे लोकप्रिय रूप थ। शायद इसे आधुनिक अमेरिकी पॉप संस्कृति का पूर्व नाम दिया जा सकता है।

बता दें कि वॉडविले में सामान्य रूप से हंसाने वाले छोटे कृत्यों की एक अनेक श्रृंखला शामिल हैं जो 6 से 15 मिनट लंबी होती थी। हालांकि उस समय में हर अपेक्षाकृत बड़े शहर में अपना स्वयं का वॉडेविले थियेटर था। न्यूयॉर्क के लिए हैमरस्टीन था। दरअसल, विक्टोरिया थिएटर 19 वीं शताब्दी के अंत में थियेटर मोगुल ऑस्कर हैमरस्टीन द्वारा खोला गया न्यूयॉर्क का एक प्रमुख अमेरिकी वाडेविले घर था। बाद में इसके ऊपर पैराडाइज रूफ गार्डन बनाया गया।

उसके बाद दोनों स्थानों को सामूहिक रूप से हैमरस्टीन के नाम से जाना जाने लगा। साल 1904 से 1914 तक यह घर ऑस्कर के बेटे विली हैमरस्टीन ने चलाया। विली हैमरस्टीन अत्यधिक लोकप्रिय वॉरविले कृत्यों पर काम करते थे। जिनमें से एक कुख्यात सोबर सू एक्ट भी था। इसी दौरान साल 1907 में सोबर सू के उपनाम से एक कलाकार रूफ गार्डन में मंच पर दिखाई देने लगा, उसे जो लड़की कभी हंस नहीं सकती के रूप में संदर्भित किया जाता था। थिएटर के निर्माताओं ने उसे 1000 डॉलर का पुरस्कार देने का एलान किया, जो सोबर सू के चेहरे पर मुस्कान ला दे। सबसे पहले, दर्शकों में से कुछ लोग मंच पर आए और मजाकिया चेहरे बनाए या अपने सबसे अच्छे चुटकुले सुनाए। लेकिन उसपर इसका कोई असर नहीं हुआ। सोबर सू का चेहरा गंभीर बना रहा। इसके बाद, पेशेवर हास्य कलाकारों ने इस चुनौती को स्वीकार किया। उन्होंने उसे हंसाने की बहुत कोशिश की लेकिन वो भी असफल रहे। किसी भी तरह से सोबर सू के चेहरे पर मुस्कुराई नहीं आई।

सोबर सू के भावहीन चेहरे के बारे में विभिन्न सिद्धांत निकाले गए। कुछ लोगों ने कहा कि वह आंशिक रूप से अंधी या बहरी थी, लेकिन सच्चाई आखिरकार 1907 में सामने आई। सू के लिए मुस्कुराना या हंसना असंभव था, क्योंकि उसके चेहरे की मांसपेशियां लकवाग्रस्त थीं। बाद में यह पता चला कि वॉडविले घोटाले को विली हैमरस्टीन ने किया था, जो पैराडाइज रूफ गार्डन का प्रबंधन करता था। विली हैमरस्टीन ने सोबर सू को प्रति सप्ताह 20 डॉलर देता था, जो उस समय कम नहीं था। बता दें कि सोबर सू की कोई तस्वीर नहीं है। ऐसा माना जाता है कि सू का वास्तविक नाम सुसान केली था और वह मोबियस सिंड्रोम से पीड़ित थीं। ये एक दुर्लभ स्थिति है जिसमें सिर की नसें कमजोर होती हैं।

इसी को कहा जाता है चमत्कार, 25वीं मंजिल से गिरी बच्ची, मात्र कुछ हड्डियों में ही आया फ्रैक्चर

कहते हैं कि जाको राखे साइयां, मार सके ना कोय। भगवान जिसकी रक्षा करता है, उसका कोइ बाल भी बांका नहीं कर सकता। कई बार भयानक हादसों में भी लोगों की जान बच जाती है। कई बार ऐसी दुर्घटनाओं में लोगों को ईश्वर का चमत्कार देखने को मिलता है। ऐसा ही एक चमत्कार एक छोटी बच्ची के साथ हुआ, जब वह 25वीं मंजिल से नीचे गिर गई। इसके बाद भी बच्ची की जान बच गई। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, 9 साल की एक बच्ची 25वें फ्लोर की खिड़की से नीचे गिर गई। पिता को जब बच्ची घर में कहीं नहीं मिली तो उसने मां को फोन करके पिता ने बताया कि बच्ची घर में होमवर्क कर रही थी लेकिन मिल नहीं रही है। खिड़की से बाहर देखने के बाद भी वो नहीं मिली सिर्फ उसकी चप्पल दिख रही थी। इसी बीच बिल्डिंग मैनेजर ने बताया कि 7वें फ्लोर पर कुछ गिरने की आवाज आई थी और वहां पर एक लड़की पड़ी हुई है। माता-पिता नीचे आए तो बच्ची उन्हें वहां नहीं मिली। आमतौर पर जिस ऊंचाई से गिरने के बाद इंसान बच ही नहीं पाता है, उस ऊंचाई गिरकर भी एक बच्ची लोगों को जिस हालत में मिली, उसे देखकर उनकी आंखें चौंधिया गईं। उन्हें उम्मीद थी कि बच्ची या तो को बेहद गंभीर हालत में बेहोश मिलेगी या फिर हो सकता है कि उसकी जान ही चली गई हो। उन्हें इस नजारे की उम्मीद नहीं थी, जो उन्होंने देखा। काफी देर बाद उन्हें बच्ची स्कूल की यूनिफॉर्म में मिली और उसके कान और चेहरे पर खून था। हैरानी की बात ये थी कि बच्ची बेहोश तक नहीं हुई थी। उसने बताया कि गर्मी लगने पर उसने खिड़की खोली थी और खिड़की का फ्रेम ढीला होने की वजह से वो नीचे गिर पड़ी। बच्ची को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां पता चला कि 18 फ्लोर नीचे गिरने के बाद भी उसके दिमाग पर कई चोट नहीं आई। सिर्फ कुछ हड्डियों में फ्रैक्चर था, जिसका इलाज चल रहा है। बच्ची की मां ने बताया कि उसका जिंदा बचना वाकई चमत्कार है और ये सिर्फ भगवान ने किया है।

पर्यटकों को सुरक्षा देना केन्द्र सरकार का दायित्व : सिद्धरमैया

» बोले- अपरिहार्य हो तो ही पाक के साथ युद्ध हो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। पहलगाम आतंकवादी हमले पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री की टिप्पणी को पाकिस्तानी मीडिया में तूल दिए जाने और भाजपा द्वारा इसकी आलोचना किए जाने के बीच सिद्धरमैया ने स्पष्ट किया कि उन्होंने युद्ध के लिए पूरी तरह से मना नहीं किया है, बल्कि उनका मतलब यह था कि युद्ध तभी होना चाहिए जब यह अपरिहार्य हो, क्योंकि यह समाधान नहीं है। सिद्धरमैया ने पहलगाम हमले के संबंध में कहा था कि युद्ध की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि पहलगाम में पर्यटकों को सुरक्षा मुहैया कराना केंद्र सरकार का दायित्व था। मुख्यमंत्री ने अपना यह रुख दोहराया कि इस संबंध में खामियां रहीं और इस घटना को रोकने में खुफिया एजेंसियां विफल रहीं।

बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया

सिद्धरमैया ने कहा, मैंने युद्ध के लिए मना नहीं किया है। जब मुख्यमंत्री से कहा गया कि पाकिस्तानी मीडिया उनके बयान को तूल दे रहा है तो उन्होंने कहा, मैंने पाकिस्तान के साथ युद्ध के लिए मना नहीं किया। मैंने जो कहा, वह यह कि युद्ध कोई समाधान नहीं है। पर्यटकों को सुरक्षा मुहैया कराना किसकी जिम्मेदारी है? यह केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है। मैंने कहा कि यह विफलता है। उन्होंने कहा, (पहलगाम में) 26 लोग मारे गए, (पुलवामा में) 40 सैनिक मारे गए थे। इसलिए यह भारत सरकार के खुफिया तंत्र की विफलता है। मैंने कहा है कि भारत सरकार ने उचित सुरक्षा मुहैया नहीं कराई। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया। उन्होंने कहा कि मैसूर में कल पत्रकारों द्वारा युद्ध की आवश्यकता के बारे में पूछे जाने पर मैंने कहा था कि अभी युद्ध की आवश्यकता नहीं है, लेकिन आतंकवाद को जड़ से खत्म करना होगा और लोगों को सुरक्षा देनी होगी। भारत बुद्ध की भूमि है। हम शांतिप्रिय लोग हैं और हम किसी के साथ अनावश्यक रूप से युद्ध नहीं करेंगे।

सीएम को देश माफ नहीं करेगा : एदियुरप्पा

विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने सिद्धरमैया पर एक दुश्मन देश की कठपुतली की तरह काम करने का आरोप लगाया, वह भी ऐसे समय में जब देश बहुत संवेदनशील स्थिति का सामना कर रहा है और सीमा पर युद्ध का खतरा मंडरा रहा है। मुख्यमंत्री के बयान की निंदा करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री बीएस एदियुरप्पा ने उनसे देश की जनता से माफी मांगने और अपना आचरण सुधारने का आग्रह किया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने कहा कि लोग जानते है कि सिद्धरमैया अल्पसंख्यक तुष्टीकरण के लिए किसी भी हद तक जा सकते है, लेकिन जब मामला देश का हो, तो उनका यह कहना कि युद्ध की कोई जरूरत नही है कतई सही नही है, इसलिए उन्हे माफी मांगनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा, यदि कोई भारत की एकता और अखंडता को नष्ट करने का प्रयास करता है, तो उसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सिद्धरमैया ने कहा, चाहे वह कोई भी हो, हम ऐसे लोगों के खिलाफ युद्ध करेंगे.... यदि हमें उकसाया गया, तो हम चुप नहीं बैठेंगे।

पहलगाम हमला : राजनाथ शाह ने बैठक में परिपक्व रुख अपनाया : शरद पवार

» बोले- सरकार ने कमी स्वीकार कर ली है तो यह बहस करने का समय नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पुणे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार (राकांपा-एसपी) के प्रमुख शरद पवार ने रविवार को दावा किया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 22 अप्रैल के पहलगाम हमले पर चर्चा के लिए बुलाई गई सर्वदलीय बैठक के दौरान परिपक्व दृष्टिकोण अपनाया और स्वीकार किया था कि सरकार की ओर से कुछ खामी रही। सरकार की ओर से वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और विदेश मंत्री एस जयशंकर भी बैठक में मौजूद थे। पवार ने कहा कि केंद्र सरकार ने हाल में पहलगाम हमले पर सभी दलों के नेताओं की बैठक बुलाई थी, जिसमें लोकसभा में राकांपा (एसपी) की नेता सुप्रिया सुले ने हिस्सा लिया था। पवार ने कहा, एक बात ने मुझे संतुष्टि का एहसास कराया।

सत्ता पर काबिज नेताओं ने, चाहे वह देश के रक्षा मंत्री हों या गृह मंत्री, बहुत परिपक्व रुख अपनाया और स्वीकार किया कि कहीं न कहीं हमारी ओर से खामी रही है। इस बात पर जोर देते हुए कि कुछ सवालों पर ध्यान देने की जरूरत है, पवार ने कहा, अगर उन्होंने इसे एक कमी के रूप में स्वीकार कर लिया है, तो आज इस पर बहस करने का समय नहीं है। पवार ने यहां सासवड में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि इस समय सभी के सामने प्राथमिकता यह है कि जिन लोगों पर हमला हुआ है उनके जीवन में विश्वास का माहौल कैसे बनाया जाए। उन्होंने कहा कि हमले के बाद उन्होंने कश्मीर में अपने कई दोस्तों को फोन किया और उन्हें आश्वस्त किया कि इस स्थिति में वे अकेले नहीं हैं।

आकृतियों ने उकेरा जीवन का संदेश

» आरंभ पेंटिंग प्रदर्शनी का समापन समारोह आयोजित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आरंभ पेंटिंग प्रदर्शनी का समापन समारोह सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर डॉ. ए. के. शुक्ला पूर्व अपर निदेशक चिकित्सा एवं(पूर्व मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं चेयरमैन आस्था वृद्धाश्रम) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। डॉ. शुक्ला ने प्रदर्शनी में भाग लेने वाले सभी उभरते कलाकारों के कार्यों की सराहना की और उन्हें अपनी कला साधना को निरंतर जारी रखने के लिए प्रेरित किया। उनकी उपस्थिति ने समारोह को गरिमा प्रदान की और कला के सामाजिक एवं भावनात्मक महत्व को उजागर किया।

यह प्रदर्शनी क्षेत्र के अनेक प्रतिभाशाली कलाकारों की चित्रकृतियों का सुंदर संगम थी, जिसे दर्शकों का भरपूर स्नेह और समर्थन मिला। आरंभ प्रदर्शनी ने न केवल कलाकारों को मंच प्रदान किया, बल्कि समाज में कला की एकजुट करने वाली शक्ति को भी रेखांकित किया।हम सभी प्रतिभागियों, अतिथियों और सहयोगियों का हार्दिक धन्यवाद करते हैं, जिनके सहयोग से आरंभ प्रदर्शनी एक अविस्मरणीय संस्करण बन पाई। राज्य ललित कला अकादमी में आयोजित चित्रकला प्रदर्शनीं में सम्मानित कलाकारों में अभिनव, अनन्या, आरती, हर्षाली, हार्दिक, सोफिया, सौम्या, मानसी, अंतरा, प्रियांशी, आदित्य, स्वरा, श्वेता, सचित, अलीजा, रोमिला और यामिनी शामिल थे।

खुफिया जानकारी थी तो पहले कार्रवाई क्यों नहीं की : कुणाल घोष

» टीएमसी ने आतंकवादियों के घरों के ध्वस्तीकरण पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पहलगाम हमले के बाद जम्मू-कश्मीर में सक्रिय कथित आतंकवादियों के घरों को ध्वस्त किए जाने पर सवाल उठाते हुए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पूछा कि अगर इन लोगों की ऐसी गतिविधियों के बारे में खुफिया जानकारी थी, तो पहले कार्रवाई क्यों नहीं की गई। टीएमसी प्रवक्ता कुणाल घोष ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आतंकवादियों के घरों के ध्वस्तीकरण को पहलगाम हमले के बाद एक बड़ी कार्रवाई के रूप में प्रचारित किया जा रहा है।

लेकिन ये घर कश्मीर में हैं, जो अमित शाह के गृह मंत्रालय के नियंत्रण में हैं। उन्होंने लिखा, अगर खुफिया जानकारी थी, तो उन्हें बिना रोक-टोक के क्यों पनपने दिया गया? कोई पूर्व-निवारक कार्वाई क्यों नहीं की गई? यह विलंबित नाटकीय कार्वाई हमले की रोकथाम में हुई घोर विफलता को नहीं छिपा सकती। घोष ने कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने आतंकवादी कृत्य के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के लिए अपनी मजबूत राय व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान और आतंकवादियों को मदद प्रदान करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। टीएमसी नेता ने कहा कि ध्वस्त किए गए सभी घर भारत में हैं और उन्होंने पूछा कि पहले कार्रवाई क्यों नहीं की गई?

पाकिस्तान को सबक सिखाया जाए : अभिषेक बनर्जी

तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कहा कि अब समय आ गया है कि पाकिस्तान को सबक सिखाया जाए और उसके कब्जे वाले कश्मीर (पीओके)को वापस लिया जाए। बनर्जी ने एक्स पर लिखा, यह और सर्जिकल स्ट्राइक करने या पाकिस्तान को प्रतीकात्मक धमकियां देने का समय नही है। अब उन्हे उनकी समझ मे आने वाली भाषा मे सबक सिखाने का समय आ गया है। अब पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को वापस लेने का समय आ गया है।

दिल्ली-पंजाब और लखनऊ के बीच प्लेऑफ की जंग

» मुंबई-बेंगलुरु का दबदबा, गुजरात का भी परचम बुलंद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 अब रोमांचक मोड़ पर पहुंच चुका है। 46 मैच के बाद प्लेऑफ के लिए जंग दिलचस्प हो चुकी है। राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स इस रेस से बाहर हो चुकी है। हालांकि, कुछ टीमों ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन दूसरे हाफ में उसे बरकरार रखने में कामयाब नहीं हो पाए हैं।

वहीं, एक टीम है, जिसका पहले हाफ में खराब प्रदर्शन रहा था, अब दूसरे हाफ में उन्होंने जबरदस्त वापसी की है। वहीं, दो टीमें ऐसी हैं, जिन्होंने शुरू से लेकर अभी तक अपने कंसिस्टेंट प्रदर्शन को बरकरार रखा है। बता दें आरसीबी अंक तालिका में शीर्ष पर है। वहीं, गुजरात 12 अंक लेकर दूसरे स्थान पर है। मुंबई और दिल्ली के भी 12-12 अंक हैं, लेकिन नेट रन रेट में गुजरात से पीछे है। एमआई तीसरे और दिल्ली चौथे स्थान पर है। पंजाब किंग्स 11 अंक लेकर पांचवें, लखनऊ सुपर जाएंट्स 10 अंक लेकर छठे स्थान पर है। दिल्ली ने अपने शुरुआती छह में से पांच मैच जीते थे। हालांकि, इस टीम के प्रदर्शन में गिरावट आई और अगले तीन में से सिर्फ एक मैच जीत पाई है। वहीं, पंजाब ने अपने शुरुआती सात में से पांच मैच जीते। हालांकि, अगले दो मैच उनके पक्ष में नहीं रहे और टीम अंक तालिका में लुढ़क गई। वहीं लखनऊ सुपर जाएंट्स ने भी सीजन की शुरुआत अच्छी की थी, लेकिन टीम के अगर शुरुआती तीन बल्लेबाज नहीं चलते हैं तो पूरी टीम ढह जाती है।

सातवीं जीत के साथ शीर्ष पर पहुंची आरसीबी

नई दिल्ली। कूणाल पांड्या और विराट कोहली की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने दिल्ली कैपिटल्स को छह विकेट से हराकर सत्र की सातवीं जीत दर्ज की। वहीं, यह उनकी घर से बाहर लगातार छठी जीत है। और कुल यह उनकी सातवीं जीत है जिससे वह अंकतालिका में शीर्ष पर पहुंच गयी है। इस मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स ने 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 162 रन बनाए। जवाब में आरसीबी ने 18.3 ओवर में चार विकेट खोकर 164 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ आरसीबी के 14 अंक हो गये हैं। इस दौरान कूणाल पांड्या ने 38 गेंदों में अपने करियर का दूसरा अर्धशतक पूरा किया। इससे पहले उन्होंने 2016 में पचासा जड़ा था।

पीएम मोदी से सवाल नहीं करेंगे तो किससे करेंगे : नेहा सिंह राठौर

विपक्ष बोला- भारत में सबको अपनी बात रखने का अधिकार

» सोशल मीडिया पर समर्थन में आए लोग

» लखनऊ में एफआईआर दर्ज

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। जम्मू और कश्मीर स्थित पहलगाम में आतंकी हमले के बाद कई वीडियोज और बयान जारी कर सुर्खियों में आईं लोकगायिका नेहा सिंह राठौर के खिलाफ उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में प्राथमिकी दर्ज की गई है। यह प्राथमिकी अभय सिंह की ओर से दर्ज कराई गई है। वहीं उनके समर्थन बहुत से लोगों ने सोशल मीडिया पर लिखा है कि उन्होंने कुछ गलत नहीं लिखा। आखिर देश में घट रही घटनाओं के लिए सरकार से सवाल नहीं पूछा जाएगा तो किससे पूछा जाएगा। उधर विपक्ष ने भी उनका समर्थन किया है विपक्षी नेताओं ने कहा है कि अपनी बात रखने का देश में सबको अधिकार है। हालांकि भाजपा ने नेहा को देशद्रोही कह कर उनकी आलोचना की है। उधरएफआईआर के बाद नेहा सिंह राठौर ने प्रतिक्रिया भी दी है।

राठौर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की अलग-अलग 10 धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। इसके अलावा आईटी एक्ट की धारा भी जोड़ी गई है। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर लोक गायिका आबंडेकर नगर निवासी नेहा सिंह राठौर पर सोशल मीडिया पर कमेंट पोस्ट करने का आरोप लगा है। इस मामले में रविवार को गुडंबा वुडलैंड पैराडाइज निवासी कवि अभय प्रताप सिंह उर्फ अभय सिंह निर्भीक ने नेहा के खिलाफ हजरतगंज थाने में केस दर्ज कराया है। एसीपी हजरतगंज विकास जायसवाल ने बताया कि शिकायतकर्ता ने तहरीर में आरोप लगाया है कि नेहा सिंह ने आपत्तिजनक पोस्ट कर राष्ट्रीय अखंडता पर प्रतिकूल प्रभाव डालने, धर्म जाति के आधार पर एक दूसरे समुदाय के विरुद्ध अपराधकारित करने के लिए उकसाने का काम किया है। इतना नहीं नहीं सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर करते हुए नेहा ने इस आतंकी हमले में मारे गए निर्देशों पर सवाल उठाए और दो समुदाय के विरुद्ध आपसी सौहार्द बिगाड़ने और शांति व्यवस्था को भंग करने के लिए देशविरोधी बातें कर रही हैं।

राठौर के बयान के बाद मचा घमासान

एक मामूली लड़की इतने बड़े लोकतंत्र में सवाल कैसे पूछ सकती है

खुद पर दर्ज की गई एफआईआर के संदर्भ में राठौर ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा कि- मेरे ऊपर एफआईआर हो गई है। होनी भी चाहिए। एक मामूली लड़की इतने बड़े लोकतंत्र में सवाल कैसे पूछ सकती है! लोकतंत्र का साइज़ तो देखो! दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है भाई! धन्यवाद सीएम योगी आदित्यनाथ, धन्यवाद पीएम नरेंद्र मोदी।

मेरे पास वकील की फीस देने के लिए पैसा नहीं हैं

एक अन्य पोस्ट में राठौर ने लिखा- मेरे ऊपर लखनऊ में एफआईआर हो चुकी है। क्या कोई वकील मेरी मदद कर सकता है? मेरे पास वक़ील की फ़ीस देने के लिए पैसा नहीं है, मेरे आईसीआईसीआई बैंक अकाउंट में सिर्फ़ 519 रुपये हैं जिसमें से 500 रुपये तबला वादक को देकर कल मैं नया गीत रिकॉर्ड करूंगी।

लोकगायिका पर लगाई गईं 11 धाराएं

राठौर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनस) 2023 की धारा 196 (1) (ए), धारा 196 (1) (बी), धारा 197 (1) (ए), धारा 197 (1) (बी), धारा 197 (1) (सी), धारा 197 (1) (डी), धारा 353 (1) (सी), धारा 353 (2), धारा 302, धारा 152 और सूचना प्रौद्योगिकी (संशोधन) अधिनियम 2008 की धारा 69ए के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

बयान खूब हो रहा है वायरल

नेहा के बयान लगातार पाकिस्तान में खूब वायरल हो रहे हैं और पाकिस्तान में नेहा की प्रशंसा हो रही है। नेहा के सभी देश विरोधी बयान पाकिस्तान की मीडिया में भारत के खिलाफ प्रयोग किए जा रहे हैं और दुश्मन देश भारत पर प्रश्नचिन्ह लगा रहा है। संकट की ऐसी स्थिति में नेहा के लगातार भारत के खिलाफ बयानबाजी के कारण देश के कवि समाज के साथ-साथ पूरे भारत देश के मान और सम्मान का हनन हो रहा है। एसीपी ने बताया कि इस मामले में आईटी एक्ट सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है।

पाक से आने वाले बयानों को न दें ज्यादा महत्व : उमर

» जम्मू-कश्मीर के विधायकों ने पहलगाम आतंकी हमले के मृतकों के लिए रखा मौन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू । मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के बयान को सिरे से खारिज कर दिया है। पाकिस्तान के पीएम ने पहलगाम हमले की पारदर्शी और विश्वसनीय जांच के लिए हां कही थी। जिसके बाद उमर ने कहा कि वह इस्लामाबाद से आने वाले बयानों को ज्यादा महत्व नहीं देना चाहते। उन्होंने भारत पर आरोप लगाने के लिए पाकिस्तान की खुली आलोचना की। साथ ही इसे दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया। जिसमें 22 अप्रैल को 26 लोग मारे गए थे। सीएम ने कहा कि पहले तो पाकिस्तान ने पहलगाम में हुए हमले को स्वीकार ही नहीं किया था। फिर कहा कि ये हमला भारत ने ही कराया है। उन्होंने सबसे पहले हमारे ऊपर ही आरोप लगाए।

इसलिए उनके बारे में कुछ भी कहना बड़ा ही मुश्किल है। पाकिस्तान के पीएम के बयान पर पूछे जाने पर उमर ने कहा कि मैं पाकिस्तान के नेताओं के बयानों पर ज्यादा टिप्पणी नहीं करना चाहता हूं। यह घटना नहीं होनी चाहिए थी। सिंधु जल संधि और चिनाब नदी पर बनाए गए बांधों पर अब्दुल्ला ने कहा कि आप दोनों को क्यों जोड़ रहे हैं? जल संधि का इन चीजों से क्या लेना-देना है। सिंधु जल संधि निलंबित है या नहीं, इसका इन परियोजनाओं से क्या लेना-देना है। विधानसभा के सदस्यों ने 22 अप्रैल को हुए हमले में मारे गए 26 लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए दो मिनट का मौन भी रखा।

विधानसभा में प्रस्ताव पेश

जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने सोमवार को पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की और सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक के बाद केंद्र सरकार द्वारा घोषित कूटनीतिक उपायों का समर्थन किया। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के संबंध में विशेष सत्र के दौरान जम्मू-कश्मीर विधानसभा में एक प्रस्ताव पेश किया।

विधानसभा में भावुक हुए सीएम उमर अब्दुल्ला

निंदा प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे यकीन नहीं होता कि कुछ दिन पहले हम इस हाउस में थे। बजट और कई मुद्दों पर बहस हुई। अंतिम दिन हम चाय पी रहे थे और सोच रहे थे कि कश्मीर में अगला सत्र होगा। तब किसी ने नहीं सोचा था कि हमें यहां इस माहौल में मिलना पड़ेगा। उमर ने कहा, मैं उपराज्यपाल का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। उन्होंने भावुक होते हुए कहा, मुख्यमंत्री, पर्यटन मंत्री होने के नाते हमने लोगों को न्योता दिया था यहां आने के लिए मेजबान होने के नाते मेरी जिम्मेदारी थी कि मैं सभी को यहां से सुरक्षित भेजूं, नहीं भेज पाया. माफी मांगने के अल्फाज नहीं थे क्या कहता उनको?

कांग्रेस ने बोला भाजपा सरकार पर हल्ला

» पूरे प्रदेश में निकाली संविधान बचाओ रैली

» जगह-जगह पुलिस तैनात कई जगह झड़प की खबरें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस ने आज पूरे प्रदेश में संविधान बचाओ रैली निकाली और भाजपा पर जमकर हमला बोला। लखनऊ से लेकर पूर्व व पश्चिम के जिलों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर हल्ला बोला। कई जगहों पर कांग्रेस के नेताओं व पुलिस के बीच झड़प की खबरें भी आइं। पुलिस ने जगह- बैरिकेडिंग करके लोगों को रोकने का प्रयास किया।

इससे कांग्रेस के राज्य अध्यक्ष अजय राय ने केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी पर संविधान और लोकतंत्र के खिलाफ काम करने का गंभीर आरोप लगाया है। अजय राय ने कहा कि भाजपा संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर रही है और संविधान को बदलने की साजिश में लगी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस लड़ाई में पूरी ताकत से मुकाबला करेगी और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठाएगी।

सरकार ने लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर कर दिया : अजय राय

अजय राय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की सोच लोकतांत्रिक नहीं, बल्कि तानाशाही वाली है। नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी को परेशान करना, विपक्षी नेताओं को एजेंसियों के जरिए दबाव में लाना, इसका उदाहरण है। उन्होंने कहा, हम गांधी के सिपाही हैं, जो अंग्रेजों से नहीं डरे, वे इन तानाशाह प्रवृत्ति वालों से भी नहीं डरेंगे। हम लड़ेंगे और लोकतांत्रिक मूल्यों की ताकत दिखाएंगे।

केंद्र सरकार को सुप्रीम कोर्ट की नोटिस

» शीर्ष कोर्ट ने अश्लील कंटेंट पर मांगा जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सोशल मीडिया और ओटीटी पर अश्लील कंटेंट को बैन करने की मांग उठ रही है। इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट में भी याचिका दायर की गई थी, जिसपर आज अदालत ने एक्शन लेते हुए केंद्र सरकार समेत कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को नोटिस जारी किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार के अलावा नेटफ्लिक्स, उल्लू डिजिटल लिमिटेड, ऑल्ट बाला जी, ट्विटर, मेटा प्लेटफार्म और गूगल को नोटिस दिया है। पूर्व सूचना आयुक्त उदय माहुरकर समेत कुछ लोगों ने अश्लील कंटेंट के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इस याचिका में एनसीसीओ का गठन करने की मांग की गई है।

नगर आयुक्त ने मुख्यालय का किया निरीक्षण

» समय के पालन और अनुशासन पर दिया जोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने आज नगर निगम मुख्यालय का दौरा कर सभी विभागों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वे हर विभाग में पहुंचे और खुद हाजिरी रजिस्टर चेक किया। साथ ही, उन्होंने विभागों के कामकाज और कार्यशैली का भी बारीकी से जायजा लिया। गौरव कुमार ने सख्त निर्देश दिए कि सभी अधिकारी और कर्मचारी समय पर कार्यालय में पहुंचें और अपने कार्यों को तय समय में पूरा करें। उन्होंने साफ कहा कि कार्यालय के अनुशासन में कोई ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अधिष्ठान विभाग का निरीक्षण करते हुए नगर आयुक्त ने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि सभी कर्मचारियों की सेवा पुस्तिकाओं का काम बिना किसी देरी के पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि सेवा पुस्तिका जैसे जरूरी दस्तावेजों का अद्यतन रहना बेहद आवश्यक है और इस काम को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए। जनसंपर्क कार्यालय में निरीक्षण के दौरान गौरव कुमार ने वहां की कार्यशैली पर नाराजगी जताई।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।